एक भारतीय ने बस से देखे अमेरिका के रंग

आलेख और फोटो: सेबास्तियन जॉन

मैदानी इलाका

अमेरिकी लोग अक्सर 'चपटे उबाऊ मध्य-पश्चिम' की बात करते हैं जहां देखने के लिए 'बस मक्का, मक्का, और मक्का' है। लेकिन मुझे तो यहां भूमि बिल्कुल चपटी नजर नहीं आई। बस की खिड़की से मुझे भूगर्भीय पर्तों से रची नीची पहाड़ियां, झाड़नुमा वृक्ष, झाड़ियां और धूल भरी पगडंडियां दिखीं। शाम होते-होते तो खुले आकाश वाला यह पूरा इलाका ऐसा लग रहा था मानो नीले और नारंगी रंगों की जादुई छटाओं को समेटे आईमैक्स थियेटर हो।

आमतौर पर ग्रेहाउंड बसों में माहौल घर जैसा और किसी समुदाय में होने जैसा रहता है लेकिन झंझटबाजी भी चलती ही रहती है जैसे हमारे मुहल्लों में चलती है। सेंट लुई से बस में चढ़े नौजवान आपस में तो गालीगलौज से भरी भाषा का इस्तेमाल कर ही रहे थे, आसपास बैठी सवारियों का मजाक भी उड़ा रहे थे। उनमें से एक ने तो हद ही कर दी। उसने काले पेन से अपने सामने की सीट के पिछले हिस्से पर तमाम तरह की आकृतियां बना दीं और पीछे बैठे किसी व्यक्ति ने चालक को इसकी सूचना दे दी। तुरंत ही उसे इसका फल मिल गया। कैन्सस के एक सुनसान इलाके के पेट्रोल पम्प पर उसे बस से उतार दिया गया! बस चालू करते हुए ड्राइवर ने बाकी सवारियों को चेतावनी भी दी, ''अब अगर किसी के कला प्रेम ने जोर मारा तो मैं पुलिस को खबर करूंगा।'' इसके बाद बस में काफी शांति रही और लोग अपनी बाकी यात्राओं, उनमें मिले लफंगों और पैर पसार कर बैठने के सुख के बारे में बतियाते रहे।

रॉकी पर्वतमाला

डेनवर, कोलोरेडो में हवा स्वच्छ और सुहानी है। साथ ही शहर भी स्वच्छ और सुहाना है। शायद ठिठुरा देने वाली पहाड़ी ठंडी हवा रात को शहर की सड़कें साफ कर देती हैं, या फिर लोग अपने शहर को साफसुथरा रखना चाहते हैं। समुद्रतल से ठीक एक मील की ऊंचाई पर स्थित होने के कारण डेनवर को माइल हाइ सिटी भी कहा जाता है। यहां से रॉकी पर्वतमाला का भव्य दृश्य दिखता है। अमेरिका की सबसे बड़ी शहरी उद्यान व्यवस्था यहीं है, सबसे बड़ा हवाई अड्डा यहां हैं, सबसे ज़्यादा बीयर यहां बनती है लेकिन फिर भी डेनवर ने मुझे उतना आकर्षित नहीं किया जितना बाकी शहरों ने किया। फिर भी, केवल पैदल चलने वालों के लिए खुला सिक्सटीन्थ स्ट्रीट

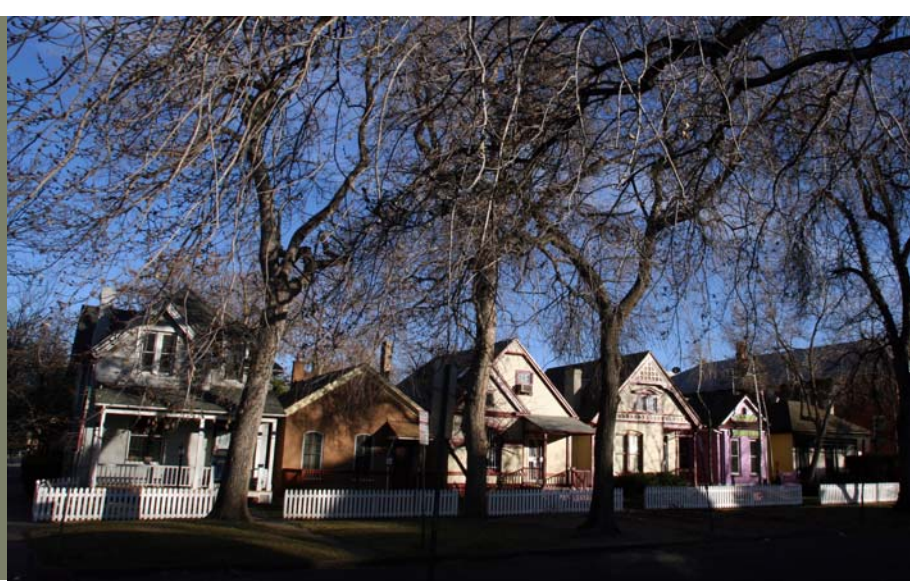

ऊपर: द ग्रैंड कैन्यॉन, एरिज़ोना, बाएं: डेनवर, कोलोरैडो स्थित मकान।

संपादक की टिप्पणी: दो किस्तों के लेख का यह आखिरी भाग है।

बर्लिंग्टन, कोलोरैडो के निकट खेत।

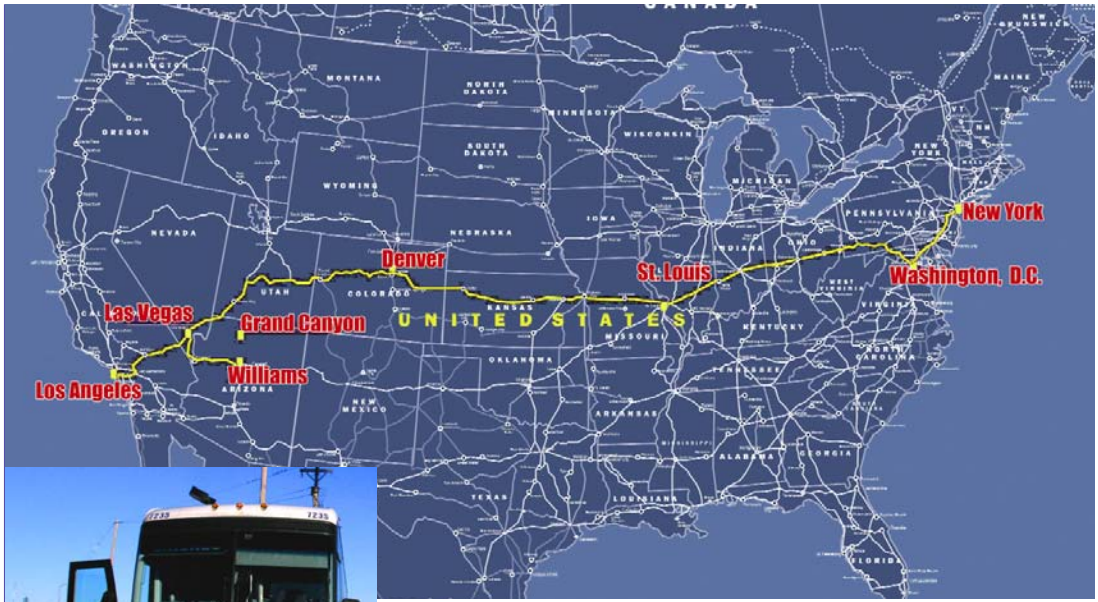

बाएं: ग्रेहाउंड बस में लेखक का सफर।

नीचे: विलियम्स, एरिज़ोना में मार्ग 66।

दाएं: लास वेगस, नेवादा का एक दृश्य जहां ज़्यादातर प्रमुख होटल और कैसिनो हैं।

नीचे दाएं: लास वेगस के वेनेशिएन कैसिनो में आए मेहमान गोंडोला राइड का आनंद लेते हुए। आकाश के रूप में नज़र आ रही है चित्रकारी से सजी छत।

मॉल, इसकी दुकानें, रेस्तरां और सिनेमा हॉल सचमुच ही इस शहर का आकर्षण है। डेनवर की दो चीजें हमेशा याद रहेंगी- कैलिफोर्निया स्ट्रीट का अनाम सा अफ्रीकन-अमेरिकन काउबॉय म्यूज़ियम और डेनवर ब्राँकोज़ फुटबाल टीम के जोशीले समर्थक। दुर्भाग्य से भारत में काउबॉय के बारे में जानकारी जॉन वेन की फिल्मों तक सीमित है। मैंने जाना कि अमेरिका में भी लोग कमोबेश यही देखते हैं। म्यूज़ियम में प्रदर्शित चमड़े की गंदी जैकेटें, खाना पकाने की देगों और बूटों को देखते हुए आभास होता है कि अफ्रीकी-अमेरिकी संस्कृति ने इस देश को कितना दिया है- घुड़सवारी के कई करतब इन लोगों ने ही विकसित किए और उनमें से कुछ प्रसिद्ध काउबॉय बिल्ली द किड जैसे मजबूत थे। लेकिन इनके बारे में बहुत कम ही लोग जानते हैं और यह बताता है कि उन्हें याद रखना, उनका सम्मान करना, कितना ज़रूरी है।

अब तक अमेरिकी फुटबॉल मैच मैंने टेलिविज़न पर ही देखे थे, इसलिए जब मैने सुना कि डेनवर ब्राँकोज़ फुटबाल टीम डेनवर शहर में मैच खेल रही है तो मैं उत्साह से भर उठा। लेकिन हाय री किस्मत, सब टिकट महीनों पहले ही बिक चुके थे। (मैं अब तक फुटबॉल मैच साक्षात नहीं देख पाया हूं।) ब्राँकों टीम के नीले, संतरी और सफेद रंगों के मेल की पोशाकों में जर्कबर्क टीम के फैन हर पार्क, हर बार, हर रेस्तरां में भरे थे। स्टेडियम के पास से गुजरते हुए मैं बस की खिड़की से दर्शकों की भीड़ का शोर भर सुन पाया।

ग्रैंड कैन्यॅन

ग्रैंड कैन्यॅन की रचना कोलोरैडो नदी ने पर्वतों को काटकर की है और कहीं-कहीं तो इसकी गहराई दो किलोमीटर से भी अधिक है। 446 किलोमीटर लंबी इस महाखाई को देखकर ही ग्रैंड का अर्थ स्पष्ट होता है। दक्षिणी छोर पर खड़े आधे दर्जन से अधिक देशों के हम नागरिकों की एक ही प्रतिक्रिया थी- पहले तो हमारे मुंह आश्चर्य से खुले रह गए और फिर कैमरों के शटर खटखटाने लगे।

हम कैन्यॅन के दक्षिणी छोर पर मैथेर पॉइंट से हर्मिट्स ट्रेलहैड तक करीब पांच किलोमीटर पैदल चले। चट्टानों के रंग, बुनावट, उन पर पड़ती धूप- हर कदम पर दिलचस्प दृश्य। और ढलते सूरज की रोशनी में तो कैन्यॅन में बिखरी रंगछटाओं का वर्णन कर पाना असंभव है। बस मैं यही कहूंगा कि जीते जी एक बार यह नजारा ज़रूर देख लेना चाहिए।

रात को हम विलियम्स, एरिजोना के नन्हे से कस्बे में ठहरे। यह शांत, बीते दिनों की याद दिलाने वाला कस्बा ग्रैंड कैन्यॅन का प्रवेशद्वार है। यहां से होकर प्रसिद्ध रास्ता 66 राजमार्ग गुजरता है। यही इसकी विशेषता है।

एरिज़ोना

वैसे मैंने पहली बार असली अमेरिकी खाना भी यहीं खाया- मंदी आंच पर पका, वैसा ही जैसे कि खाना पकाया जाना चाहिए। धीमी आंच पर पर सिका मुर्गा, सीज़र सलाद और आलू का भुर्ता, सभी ताज़े बने थे और मसालों और बूटियों का इस्तेमाल भी एकदम सही था। चिकनाई भी ज़्यादा नहीं थी। मैं तो एक प्लेट और मंगवा रहा था लेकिन मेरी पत्नी ने रोक दिया। मैक्डॉनल्ड रेस्तराओं का खाना खाते खाते ऊब चुकी जीभ का विश्वास अमेरिकी भोजन में फिर जम गया।

लास वेगस

विलियम्स से निकलकर राजमार्ग 93 पर पहुंचे तो आकाश में एक अजीब पीली-नारंगी सी दमक दिखी। कुछ किलोमीटर और चले होंगे कि तेज़ प्रकाश की एक स्पष्ट सफेद बीम रात के आकाश को चीरती दिखी। दिमाग पर जोर डाला तो समझ में आया कि सफेद प्रकाश बीम लक्सर कैसिनो के ऊपर लगी प्रकाश बीम है और आकाश लास वेगस की लाखों वाट वाली रोशनियों से चमक रहा है। अभी हम शराबखानों, जुएखानों, स्ट्रिप क्लबों के इस शहर से जिसे कई लोग पाप की नगरी भी कहते हैं, 120 किलोमीटर दूर हैं।

6.7 किलोमीटर लंबी लास वेगस पट्टी पर स्थित जुएखानों की बत्तियां तमाम सम्भव रंगों और आकारों में थीं। मैं सोच में पड़ गया कि नेवादा मरूस्थल के बीचोंबीच बसा यह शहर बिजली के भारी बिल कैसे चुकाता होगा।

इसका जवाब इस बात में है कि लास वेगस कभी सोता ही नहीं। दिहाड़ी मजदूरों से लेकर लंबी गाड़ियों के मालिक तक जुए में करोड़ों डॉलर के दांव लगाकर शहर के कोष को भरते हैं। कोई कुछ डॉलर हारता है तो उसी समय कोई लाखों डॉलर जीत जाता है। मैं जुए की मशीन पर हारे पांच डॉलर का मातम मना रहा था कि एक चीख सुनाई दी- खुशी से बौराई एक अधेड़ देवीजी जुएखाने के कर्मचारियों को गले लगा रही थीं, उन्होंने एक बी.एम.डब्ल्यू कनवर्टिबल गाड़ी जीत ली थी। तुरंत सभी लोग दुगने उत्साह से जुए की मशीनों पर

जुट गए जिनमें मैं भी शामिल था।

लॉस एंजिलिस

अटलांटिक सागर तट से अपनी यात्रा शुरू करने के एक महीने बाद हम प्रशांत सागर तट पर अमेरिकी सपने के शहर में थे। यहां हम एक पुराने मित्र के साथ रहे जो बाकी कामकाज करने के साथ-साथ एक संघर्षरत अभिनेता भी हैं।

लॉस एंजिलिस के हॉलीवुड जिले में वास्तविकता और परिवर्तित वास्तविकता के बीच की सीमारेखा बहुत क्षीण है। हमारे मित्र ने बताया कि हर कोई संपूर्ण रूप से सुंदर दिखने के पीछे पागल है। कौन जाने कब और कहां कोई फिल्म एजेंट टकरा जाए और आप को फर्श से अर्श पर पहुंचा दे।

मैं कैमरा लेकर हॉलीवुड बूल्वर्ड के पास की पहाड़ी पर लगे हॉलीवुड के साइनबोर्ड की तस्वीरें लेने निकला तो मित्र की बात की सच्चाई समझ में आई। एकदम तराशी कायाओं, चाकचौबंद मुख मंडल और लकदक पोशाकों वाली दो युवतियों ने अपनी चाल धीमी की, गर्दनें तानीं और घूमकर कैमरे के सामने आ गईं। बेचारियों को क्या पता कि मैं एक सैलानी भर हूं। उन्हें अपने भाग्यशाली दिन के लिए और इंतज़ार करना होगा।

मित्र ने सलाह दी कि असली फिल्मी दुनिया को करीब से देखना है तो हम किसी टीवी शो के मुफ़्त मिलने वाले टिकट हासिल कर लें। ज़्यादातर धारावाहिकों और टॉक शो के लिए स्टूडियो में दर्शकों की ज़रूरत होती है। इसके लिए मुफ़्त में टिकट मिलते हैं। आपको बस पहले आरक्षण करवा लेना होता है। अगर किस्मत ने साथ दिया तो दर्शक बनने के लिए पैसे भी मिल सकते हैं। बस आपको जबर्दस्त ठंड में एक-के-बाद-एक तीन कार्यक्रमों की रिकॉर्डिंग में बैठना होगा। इसका कारण यह है कि प्रोड्यूसर मानते हैं कि ठंड दर्शकों को जीवन्त प्रतिक्रिया देने को प्रेरित करती है। (टेलिविज़न कार्यक्रमों से समझदारी की अपेक्षा ही कौन करता है?)

किसी सितारे के साथ तस्वीरें खिंचवानी हैं तो हॉलीवुड बूल्वर्ड पहुंच जाइए। मैंने तो एक डॉलर खर्च करके स्पाइडरमैन के साथ तस्वीर खिंचवा ली! असल में यहां बहुत से लोग प्रसिद्ध सितारों के वेष में घूमते रहते हैं, बस कुछ पैसे खर्चिए और अपने मनपसंद सितारे के साथ तस्वीरें खिंचवा लीजिए! यहीं प्रसिद्ध वॉक ऑफ़ फ़ेम भी है जिसमें हॉलीवुड के महान अभिनेता- अभिनेत्रियों के नामों के सितारे और मेरिलिन मॅनरो जैसी हस्तियों के हाथों के छापे जड़े हैं।

पूरी यात्रा में हमने सबसे ज़्यादा पैसे खर्च किए यूनिवर्सल स्टूडियो थीम पार्क की सैर के 65-65 डॉलर के टिकट खरीदने पर। यह वह जगह है जहां वयस्क फिर एक बार बचपन में

ऊपर: हॉलीवुड के ग्रॉमैन्स चाइनीज़ थियेटर में स्पाइडरमैन की वेशभूषा पहनकर करतब दिखाते कलाकार। दाएं: लॉस एंजिलिस, कैलिफोर्निया में हॉलीवुड वॉक ऑफ़ फेम।

लॉस एंजिलिस

यात्रा के लिए सुझाव

डेनवर, कोलोरैडो

कैसे घूमें: यहां का रेलतंत्र शहर के केन्द्रीय हिस्से में ही अधिक सक्रिय है। बसें आसानी से मिलती हैं। सिक्सटीन्थ स्ट्रीट के अंत में स्थित अड्डे पर बसों के मार्गों और टिकट दरों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध है। किराया 1.15 से 2.50 डॉलर तक।

मुफ़्त के नजारे: सिक्सटीन्थ स्ट्रीट पर पैदल चलने वालों के लिए खुला मॉल, लैरिमर स्क्वेयर, कोलोरेडो स्टेट कैपिटॅल।

पैसा वसूल नज़ारे: ब्लैक अमेरिकन वेस्ट म्यूज़ियम, डेनवर आर्ट म्यूज़ियम, स्की ट्रेन, डेनवर ब्रॉंकोज़ का मैच (टिकट पहले ही ले लें)

पेट पूजा: अगर आप जेब पर भारी न पड़ने वाले शहर के चेरी क्रीक क्षेत्र में ठहरे हैं तो चेरी क्रीक शॉपिंग सेंटर के सामने स्थित बॉम्बेज़ क्ले ऑवन रेस्त्रां में साग पनीर खाइए। सिक्सटीन्थ स्ट्रीट से आगे कैपिटॅल के पास स्थित द डेलेक्टेबल एग में प्रसिद्ध मसालेदार डेनवर ऑमलेट चखना न भूलें।

ग्रैंड कैन्यॅन

कैसे घूमें: ग्रेहाउंड बस विलियम्स, एरिज़ोना तक जाती है लेकिन यह दूरदराज़ के इलाकों में घूमकर वहां पहुंचती है। आराम चाहें तो लास वेगस से कार किराए पर लेकर विलियम्स और वहां से कैन्यॅन जाएं। या फिर कांच की छतवाली खूबसूरत पर्यटक रेल (टिकट 58 डॉलर) ले लें जो रोज़ दक्षिण छोर तक जाती है।

मुफ़्त के नजारे: विलियम्स का केन्द्रीय हिस्सा।

पैसा वसूल नज़ारे: ग्रैंड कैन्यॅन पार्क दर्रा, हैलिकॉप्टर से कैन्यॅन की सैर

पेट पूजा: यहां भारतीय भोजन नहीं मिलता। क्रूज़र्स कैफ़े 66 से बेहतर मुर्गा और असली अमेरिकन खाना मैंने कहीं नहीं खाया।

लास वेगस, नेवादा

कैसे घूमें: आरामदेह जूते पहनें क्योंकि हर कैसिनो में आप को कम से कम आधा मील तो चलना ही पड़ेगा। साउथ स्ट्रिप पर चहलकदमी करें, शहर के केंद्रीय हिस्से के सस्ते, शांत इलाके देखने की इच्छा हो तो ड्यूच बस ले लें जो चौबीसों घंटे लास वेगस बूल्वर्ड पर मिल जाती है। टिकट 2 डॉलर।

मुफ़्त के नज़ारे: ट्रेज़र आइलैंड्स साइरेन्स, मिराज ज्वालामुखी, सर्कस सर्कस मिडवे, बेलाजियो फुहारे, शहर के केंद्रीय क्षेत्र का नियॉन म्यूज़ियम, फ्रेमॉंट स्ट्रीट।

पैसा वसूल नज़ारे: मैनहट्टन एक्सप्रेस रोलरकोस्टर, सर्क द सॉलील, गग्गनहीम हर्मिटेज म्यूज़ियम।

पेट पूजा: खाना खाते-खाते दुनिया की सैर करें। कैसिनो के विराट अंतर्राष्ट्रीय बफ़े लंच डिनर संसार की लगभग सभी शैलियों के व्यंजन उपलब्ध करवाते हैं। रियो का खाना सबसे बढ़िया है। फ्रेमॉं कैसिनो के पैराडाइज बफ़े में 5.29 डॉलर में जो-चाहे-जितना-चाहो-खाओ नाश्ता पेटुओं के लिए वरदान है।

लॉस एंजिलिस, कैलिफोर्निया

कैसे घूमें: कार के बिना इस शहर में घूमना बेकार है, बसें और रेलतंत्र कुछ ही जगहों पर सक्रिय हैं (दैनिक पास 3 डॉलर)। अगर यहां दो दिन से ज़्यादा रहना हो तो वाहन किराए पर ले लें और एक बढ़िया नक्शा भी खरीदें।

मुफ़्त के नज़ारे: वेनिस बीच, हॉलीवुड बूल्वर्ड, यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफोर्निया, लॉस एंजिलिस, ग्रॉमैन्स चाइनीज़ थियेटर में मशहूर हस्तियों के हाथों के छाप, गेट्टी सेंटर।

पैसा वसूल नज़ारे: यूनिवर्सल स्टूडियो, डिज़्नीलैंड, कोडक थियेटर।

पेट पूजा: क्या छोड़ूं क्या खा लूं! विकल्पों की भरमार। मुझे यूनिवर्सल स्टूडियो के पास सांता मॉनिका में काउबॉय सुशी बहुत अच्छा लगा जहां काउबॉय हैट पहने वेटर असली जापानी खाना परोसते हैं। घर और देस की याद सता रही हो तो शहर के दक्षिण में आर्टीज़िया चले जाएं और लिट्ल इंडिया इलाके में सलवार पहन कर घूमें। –

से.जॉ.

लास वेगस का ट्रेजर आइलैंड कैसिनो।

लॉस एंजिलिस में मैरिलिन मॅनरो की वेश-भूषा पहने मॉडल के साथ फोटो खिंचवाते पर्यटक।

लौटने का सुख पर सकते हैं। यहां संसार के कुछ सबसे अच्छे झूले हैं। जॉज़, जूरासिक पार्क और बैकड्राफ़्ट जैसी प्रसिद्ध हॉलीवुड फिल्मों के मूल सेट भी यहां प्रदर्शित हैं।

नकली डायनासोरों और शोरशराबे से उकताकर मैं पहाड़ियों पर मौजूद विख्यात गेट्टी सेंटर में जा पहुंचा जहां मुझे शांति मिली। इसका वास्तुशिल्प कुछ अटपटा सा तो है लेकिन सफेद संगमरमर की दीवारों पर टंगे कला के प्राचीन और आधुनिक नमूने सचमुच अनूठे लगते हैं। यहां प्रदर्शित कलाकृतियां नियमित रूप से बदली जाती रहती हैं और यहां के बगीचों का दृश्य भी देखने लायक है। सबसे अच्छी बात यह है कि यहां टिकट नहीं लगता।

30 दिन में 12 राज्यों को पार करते हुए 5600 किलोमीटर की यात्रा करने के बाद लगता है कि यह अमेरिका को जानने के प्रयास की शुरुआत भर है। मैंने शहरों की गहमागहमी देखी तो मध्य-पश्चिम के विराट मैदानी क्षेत्र की शांति और एकांत का भी अनुभव किया। प्राकृतिक और मानवरचित आश्चर्यों ने मुझे चकित किया। भोजनरसिक के रूप में मैंने इस देश के विविध व्यंजनों का रस पाया। सबसे बढ़कर मैं यह समझ पाया कि अमेरिका को देखने के लिए ढेरों पैसे खर्च करना ज़रूरी नहीं है। थोड़ी सी खोजबीन और स्थानीय लोगों से दोस्ताना गपशप आपको सबसे सस्ते और बढ़िया ठिकाने बता सकती है। हमारी यात्रा पर कुल 2,750 डॉलर खर्च हुए और मुझे लगता है कि यह मेरे जीवन की उपलब्धि है।

सेबास्तियन जॉन *भारतीय लेखक/फोटोग्राफर हैं जो हाल ही में अमेरिका में बस गए हैं और वाशिंगटन डी.सी. में रहते हैं।*

कृपया इस लेख के बारे में अपने विचारों से हमें अवगत कराएं। अपनी राय editorspan@state.gov पर भेजें।